कक्षा-10

हिंदी

UP BOARD EXAM

काव्य सौन्दर्य के तत्व

अलंकार

उपमा

रूपक

उत्प्रेक्षा

ऐसी ट्रिक देखते ही दे दोगे उत्तर

अलंकार-

'काव्य की शोभा बढ़ाने वाले धर्म अलंकार कहलाते हैं।"

(2) प्रकार

शब्दालंकार

जहाँ शब्दों के माध्यम से चमत्कार उत्पन्न किया जाए

Ex. श्लेष, यमक, अनुप्रास, वीप्सा।

अर्थलिंकार

जहाँ अर्थ के माध्यम से चमत्कार उत्पन्न हो।

Ex. उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान....

उपमा अलंकार-

जहाँ पर एक वस्तु की तुलना दूसरी वस्तु से की जाती है, वहां उपमा अलंकार होता है।

अथवा

जहाँ उपमेय की तुलना उपमान से की जाती है, वहाँ उपमा अलंकार होता है। इसके चार अंग होते हैं –

उदाहरण– पीपर पात सरिस मन डोला ।

उपमेय– जिसकी तुलना की जाती है। (मन)

उपमान– जिससे तुलना की जाती है। (पीपर पात)

साधारण धर्म- जिसके कारण उपमेय और उपमान में तुलना दिखायी जाती है। (डोला)

वाचक शब्द- वे शब्द जिनसे तुलना प्रकट हो । (सरिस)

पहचान :- सरिस, सम, समान, भाँति के जैसे,की तरह, इत्यादि वाचक शब्द होंगे वहाँ उपमा अलंकार होगा।

उदाहरण:-

>> हरि पद कोमल कमल से।

>> मुख मयंक सम मंजु मनोहर ।

>>तुम्हारा मुख चंद्र सम है।

>>फूलों सा चेहरा तेरा कलियों सी मुस्कान है।

रूपक अलंकार-

>>जहाँ उपमेय में उपमान का भेदरहित आरोप हो, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

पहचान - रूपी अर्थ निकलेगा / योजक चिह्न(-) लगा होगा।

Ex- चरन-कमल बंदौ हरि राई।"

-> उदित उदयगिरि मंच, पर रघुवर बाल पतंग।

-› मनसागर मनसा लहरि, बूड़े बहे अनेक 1"

-› "शशि- मुख पर घूँघट डाले अंचल में दीप छिपाए ||"

उत्प्रेक्षा अलंकार-

जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना की जाये वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

पहचान-

मनु, मानो, जनु, जानौ, मानहु, जानहु, मनहु, जनहु, ज्यों आदि शब्द प्रयुक्त होगे।

उदाहरण–

–›चमचमात चंचल नयन बिच घूँघट पट झीन|

मानहु सुरसरिता विमल जल उछरत जुग मीन ॥"

–› सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।

मनहु नीलमणि शैल पर आतपु परयो प्रभात ॥"

–› धाये धाम काम सब त्यागी। मनहु रंक निधि लूटन लागी।"

–›'चितवनि चारु भृकुटि बर बांकी । तिलक रेख सोभा जनु चाँकी॥